IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, January 2026
Impact Factor: 7.67

सामाजिक सांस्कृतिक संक्रमण और लोक साहित्य

डॉ. शशि मिश्रा

हिंदी विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म. प्र.)

सारांश:

यह शोध पत्र सामाजिक और सांस्कृतिक संक्रमण तथा लोक साहित्य के बीच जटिल संबंध की जांच करता है, विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में। लोक साहित्य समाज की मूल्यों, विश्वासों और परिवर्तनों का दर्पण है, जो विकसित सामाजिक संरचनाओं, तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक परिवर्तनों के अनुरूप अनुकूलित होता है, जबकि पारंपरिक तत्वों को संरक्षित रखता है। अध्ययन आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण और शहरीकरण जैसे संक्रमणों के प्रभाव को जांचता है कि वे लोक साहित्य की रूप, सामग्री और प्रसारण पर कैसे प्रभाव डालते हैं। ऐतिहासिक और समकालीन स्रोतों के गुणात्मक विश्लेषण के माध्यम से, पत्र लोक साहित्य की भूमिका को उजागर करता है जो सांस्कृतिक परिवर्तनों को प्रतिबिंबित और प्रतिरोध करता है। यह तर्क देता है कि लोक साहित्य तेज सामाजिक परिवर्तनों के बीच सांस्कृतिक निरंतरता के लिए एक गतिशील उपकरण के रूप में कार्य करता है। पद्धति में साहित्य समीक्षा और चयनित लोक कथाओं का सामग्री विश्लेषण शामिल है। निष्कर्ष बताते हैं कि लोक साहित्य विकसित होता है, लेकिन सामाजिक एकता और पहचान संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है। सांस्कृतिक नीति और शिक्षा के लिए निहितार्थ चर्चा किए गए हैं।

कीवर्ड: लोक साहित्य, सामाजिक संक्रमण, सांस्कृतिक परिवर्तन, भारतीय लोककथा, वैश्वीकरण, मौखिक परंपराएं, सांस्कृतिक संरक्षण

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-30891